

श्रीः

श्रीमते निगमान्त महादेशिकाय नमः
श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी।
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि॥

परियाळ्वार् अरुळिच्चैय्द
॥ नैय्क्कुडत्तै ॥

This document has been prepared by*

Sunder Kidambi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness *śrīmad āṇḍavan* of *śrīraṅgam*

*This was typeset using skt, L^AT_EX, Itrans, skt and the xdvng font.

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः

॥ नैय्क्कुडत्तै ॥

अरवणैयादियान् काप्पार्पिणि पोक्कल्

नैय्क्कुडत्तै प्पट्टि* एरुम् एरुम्बुगळ् पोल् निरन्दु* एङ्गुम्
कै क्कौण्डु निरकिन्ऱु नोय्याळ् ! * कालम् पैर उय्य प्पोमिन्*
मैय्क्कौण्डु वन्दु पुगुन्दु* वेद प्पिरानार् किडन्दार*
पै क्कौण्ड पाम्बणैयोडुम्* पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ १ ॥

शित्तिरगुत्तन् एळुत्ताल्* तैन् पुल क्कोन् पौरि औट्टि*
वैत्त इलच्चिनै माट्टि* तूदुवर् ओडि औळित्तार्*
मुत्तु त्तिरै क्कडर् शेर्प्पन्* मूदरिवाळर् मुदल्वन्*
पत्तर्क्कमुदन् अडियेन्* पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ २ ॥

वयिट्टिल् तौळुवै प्पिरित्तु* वन् पुल च्चेवै अदक्कि*
कयिट्टुम् अक्काणि कळित्तु* क्कालिडै प्पाशम् कळट्टि*
एयिट्टिडै मण् कौण्ड एन्दै* इराप्पगल् ओदुवित्तु* एन्नै
प्पयिट्टि प्पणि शैय्य क्कौण्डान्* पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ ३ ॥

Attention: New letters have been introduced to facilitate reading Tamil texts in Devanaagarii. Distinction has been made between certain short and long consonants that do not exist in Devanaagarii. For e.g., नै and ने should be treated with the same distinction as that exists between नि and नी. The letters ए and ए, and औ and ओ, should be treated in the same way. The letter ळ denotes the za in Tamil. For e.g., aazvaar would be written as आळ्वार् in Devanaagarii. There is a subtle difference between र and र, however, they can be pronounced in the same way. Also note that ट्ट sounds almost like ट्ट, ट्टि like ट्टि, and so on. The consonant-cluster न्ऱ is pronounced somewhere between न्ऱ and न्ऱ. It is, however, colloquially acceptable to pronounce the clusters ट्ट and न्ऱ as त्त and न्न, respectively.

मङ्गिय वल्विनै नोय्याळ् ! * उमक्कुम् ओर् वल्विनै कण्डीर्*
 इङ्गु प्पुगेन्मिन् पुगेन्मिन्* एळिदन्ऱु कण्डीर् पुगेन्मिन्*
 शिङ्गु प्पिरान् अवन् एम्मान्* शेरुम् तिरुक्कोयिल् कण्डीर्*
 पङ्गुप्पडादुय्य प्पोमिन्* पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ ४ ॥

माणि क्कुरळ् उरुवाय* मायनै एन् मनत्तुळ्ळे*
 पेणि क्कौणरन्दु* पुगुद वैत्तु क्कौण्डेन् पिरिदिन्ऱि*
 माणिक्क प्पण्डारम् कण्डीर्* वलि वन् कुरुम्बर्गळ् उळ्ळीर् ! *
 पाणिक्क वेण्डा नडमिन्* पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ ५ ॥

उट्ट उरुबिणि नोय्याळ् ! * उमक्कौन्ऱु शौल्लुगेन् केण्मिन्*
 पैट्टुङ्गळ् मेय्क्कुम् पिरानार्* पेणुम् तिरुक्कोयिल् कण्डीर्*
 अट्टम् उरैक्किन्ऱेन्* इन्नम् आळ्विनैगाळ् ! * उमक्किङ्गोर्
 पट्टिल्लै कण्डीर् नडमिन्* पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ ६ ॥

कौङ्गै च्चिरुवरै एन्नुम्* पौदुम्बिनिल् वीळ्न्दु वळ्ळुक्कि*
 अङ्गोर् मुळ्ळैयिनिल् पुक्किट्टु* अळ्ळुन्दि क्किडन्दुळ्ळ्वेनै*
 वङ्गु क्कडल् वण्णन् अम्मान्* वल्विनै आयिन माट्टि*
 पङ्गु प्पडा वण्णम् शैय्दान्* पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ ७ ॥

एदङ्गळ् आयिन एल्लाम्* इरङ्गु विडुवित्तु* एन्नुळ्ळे
 पीदग वाडै प्पिरानार्* पिरम कुरुवागि वन्दु*
 पोदिल् कमल वन् नैञ्जम्* पुगुन्दु एन् शैन्नि त्तिडरिल्*
 पाद इलच्चिनै वैत्तार्* पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ ८ ॥

‡उरगल् उरगल् उरगल्* औण्णुडर् आळिये ! शङ्गे ! *
 अर एरि नान्दग वाळे ! * अळगिय शार्ङ्गमे ! तण्डे ! *
 इरवु पडामल् इरुन्द* एण्णमर् उलोग पालीर्गाळ् ! *
 परवै अरैया ! उरगल्* पळ्ळियरै कुरिक्कौण्मिन् ॥ ९ ॥

‡अरवत्तमळियिनोडुम्* अळगिय पार्कडलोडुम्*
 अरविन्द प्पावैयुम् तानुम्* अगम् पडि वन्दु पुगुन्दु*

परवै त्तिरै पल मोद* प्पळ्ळिळ्ळि कौळ्ळिन्ऱ पिरानै*
परवुगिन्ऱान् विट्टुशित्तन्* पट्टिनम् कावर् पौरुट्टे ॥१०॥

॥ पेरियाळ्वार् तिरुवडिगळे शरणं ॥